कुत्ता और बिल्ली

होवहेन्स टौमेनियन

चित्र: पी. रेपकिन

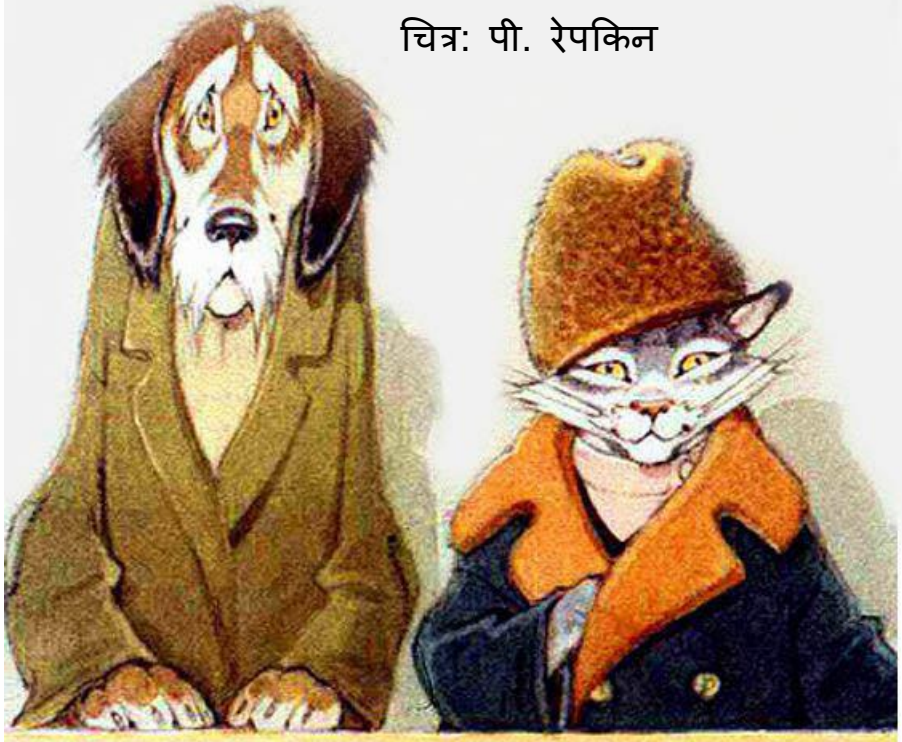

हिंदी: अरविन्द गुप्ता

पुराने समय की बात है. एक बिल्ली फर
और खाल की सिलाई का काम करती थी.

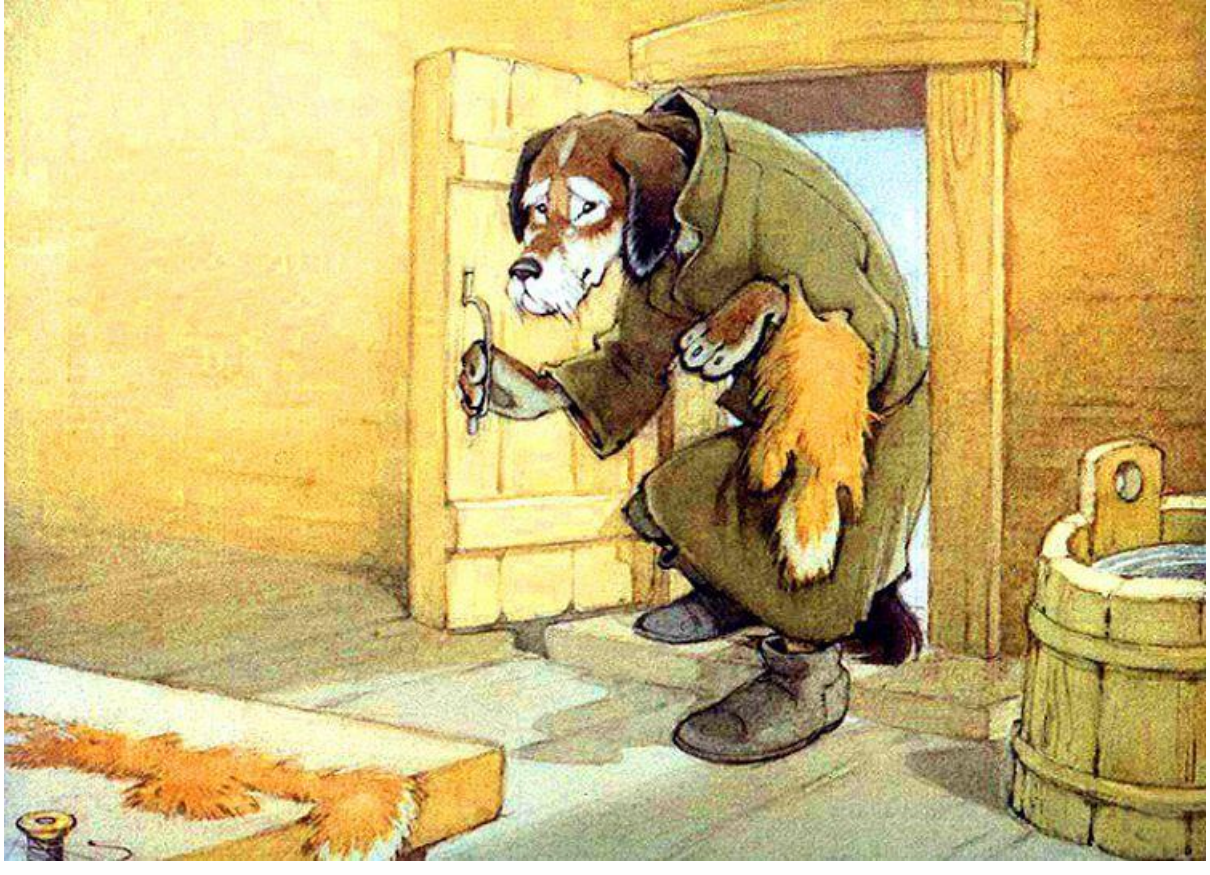

और एक कुत्ता था जिसके सिर पर कोई टोपी नहीं थी.
लेकिन, मुझे नहीं पता कि कैसे, या कहां से,
वो कुत्ता, एक मेमने की खाल छीनने में कामयाब हुआ.

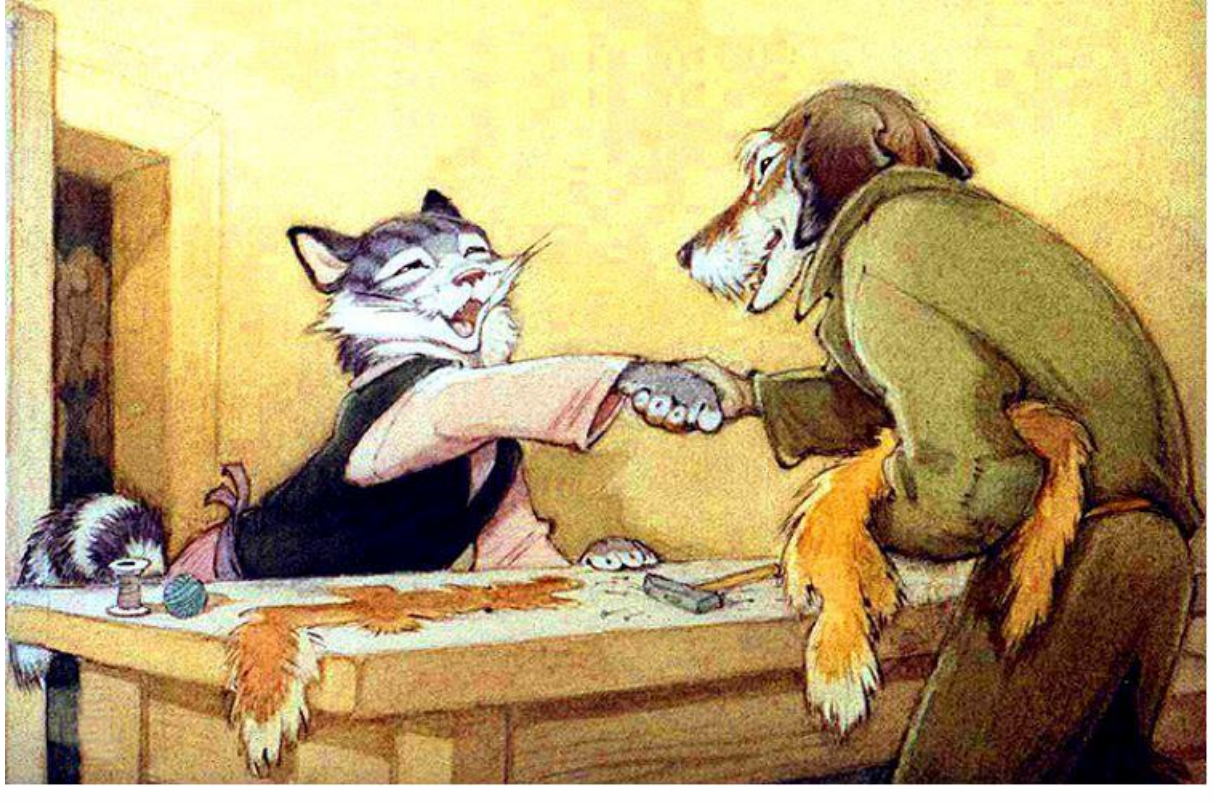

फिर एक दिन, शुरुआती सर्दियों में,
कुत्ता उस फर को लेकर बिल्ली के पास गया.
"नमस्कार, प्रिय बिल्ली;
मुझे सिर में ठंड लगती है: भगवान के लिए,
यह फर ले लो और मेरे लिए एक टोपी सिल दो
जो मुझ पर जंचे और मेरे सिर पर अच्छी लगे.

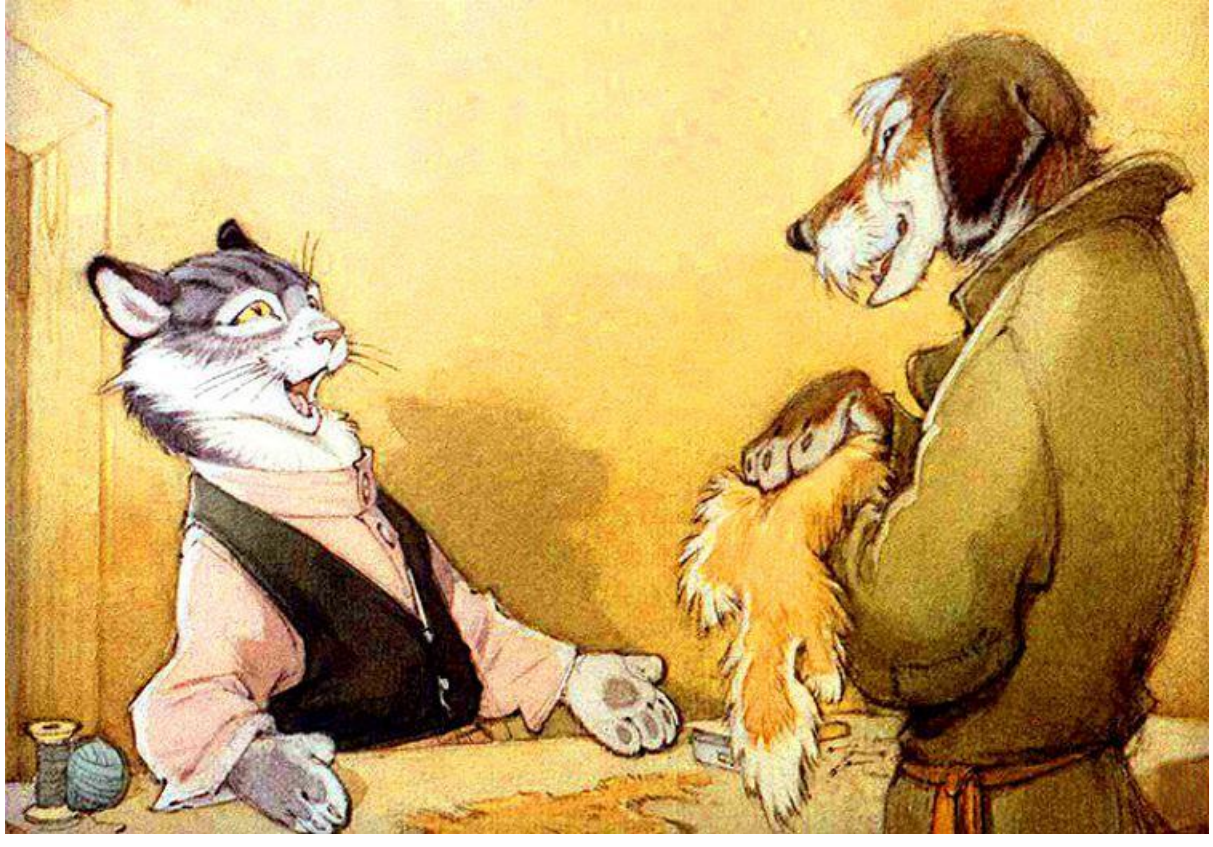

मैं तुम्हें मुंह मांगे पैसे दूंगा,
लेकिन काम ख़त्म करने में देर मत करना!”

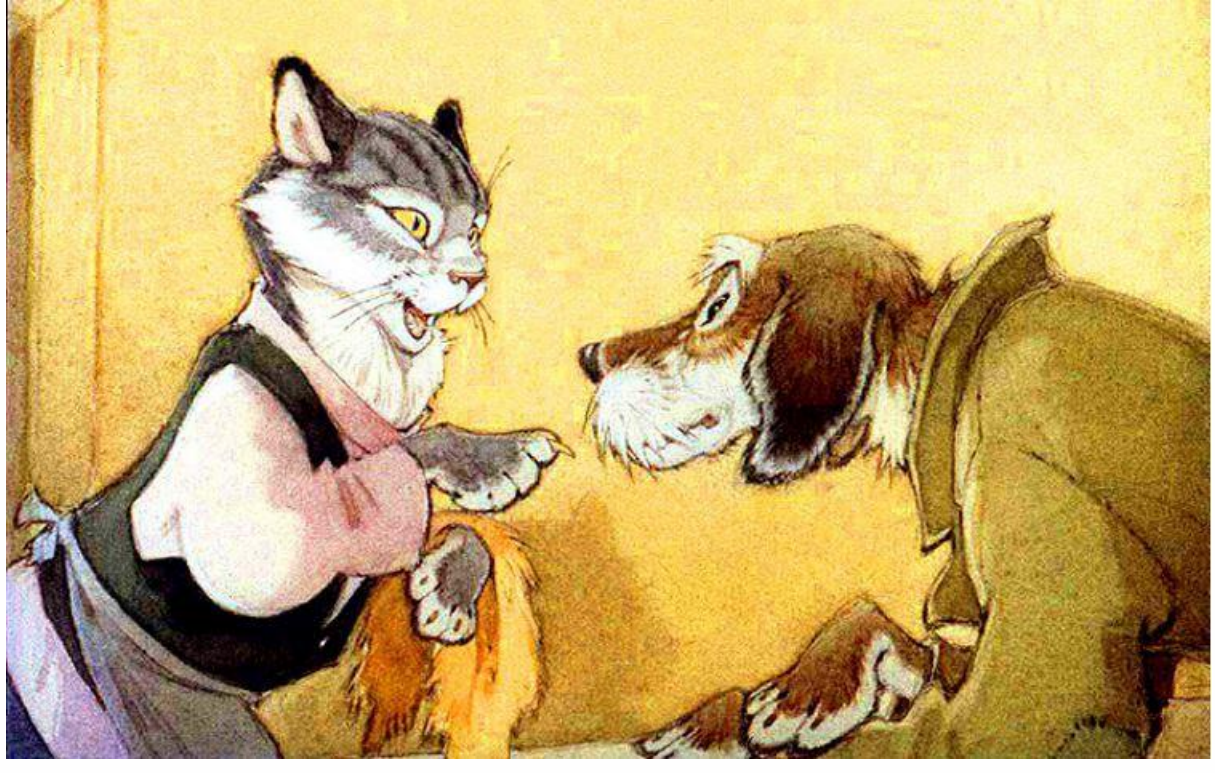

"मुझे यह काम करके बड़ी खुशी होगी, श्रीमान कुत्ते,
क्योंकि आप एक कोट नहीं, महज़ एक टोपी चाहते हैं!
इसलिए आपके सम्मान में मैं उस टोपी को
इस शुक्रवार तक सिलकर तैयार कर दूंगी.

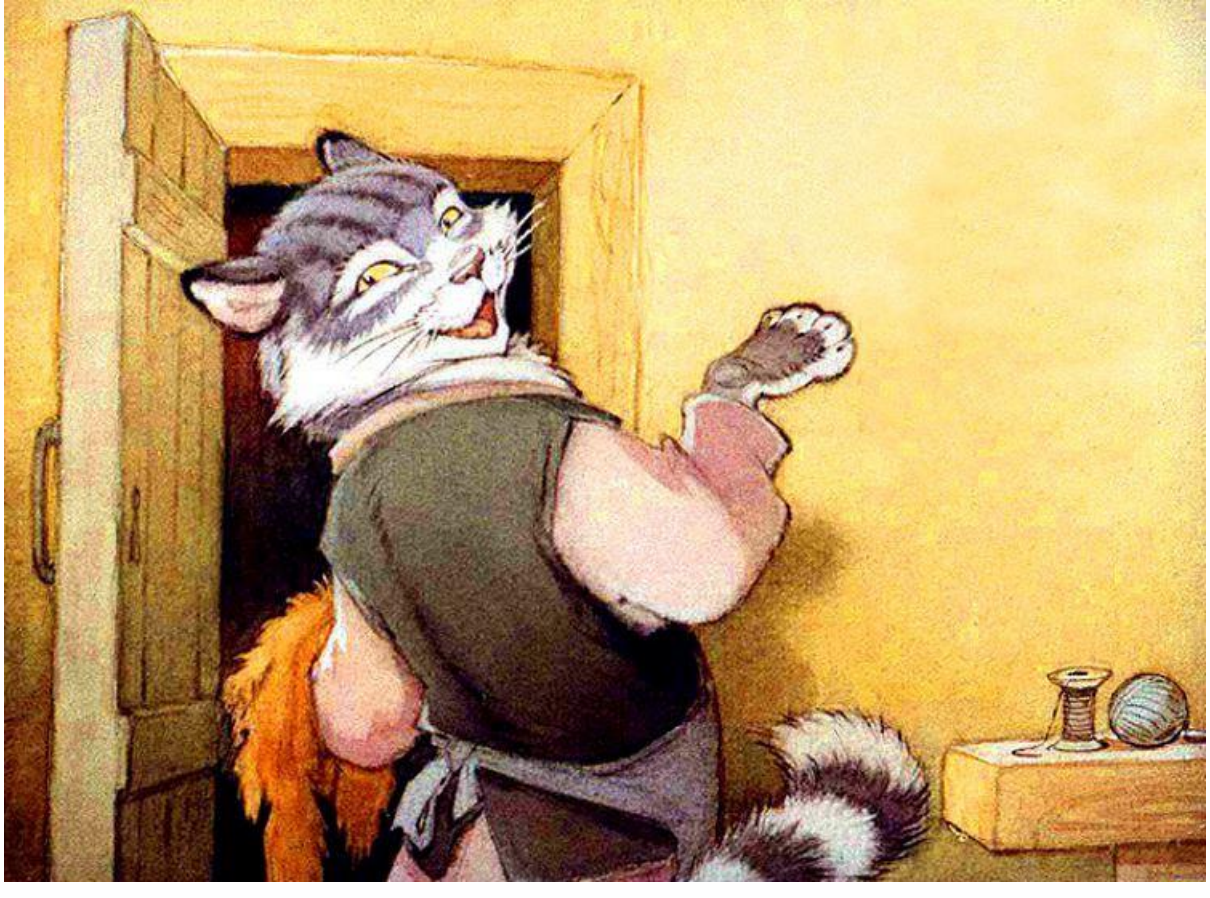

अच्छा, पैसों के बारे में अभी बात करने की कोई जरूरत नहीं:
वैसा करना हमारे बीच सचमुच में एक शर्मनाक बात होगी!
और, स्वर्ग साक्षी है, टोपी सिलना कोई बड़ा काम नहीं,
सिर्फ टोपी सिलाई की कीमत और उससे अधिक नहीं!"

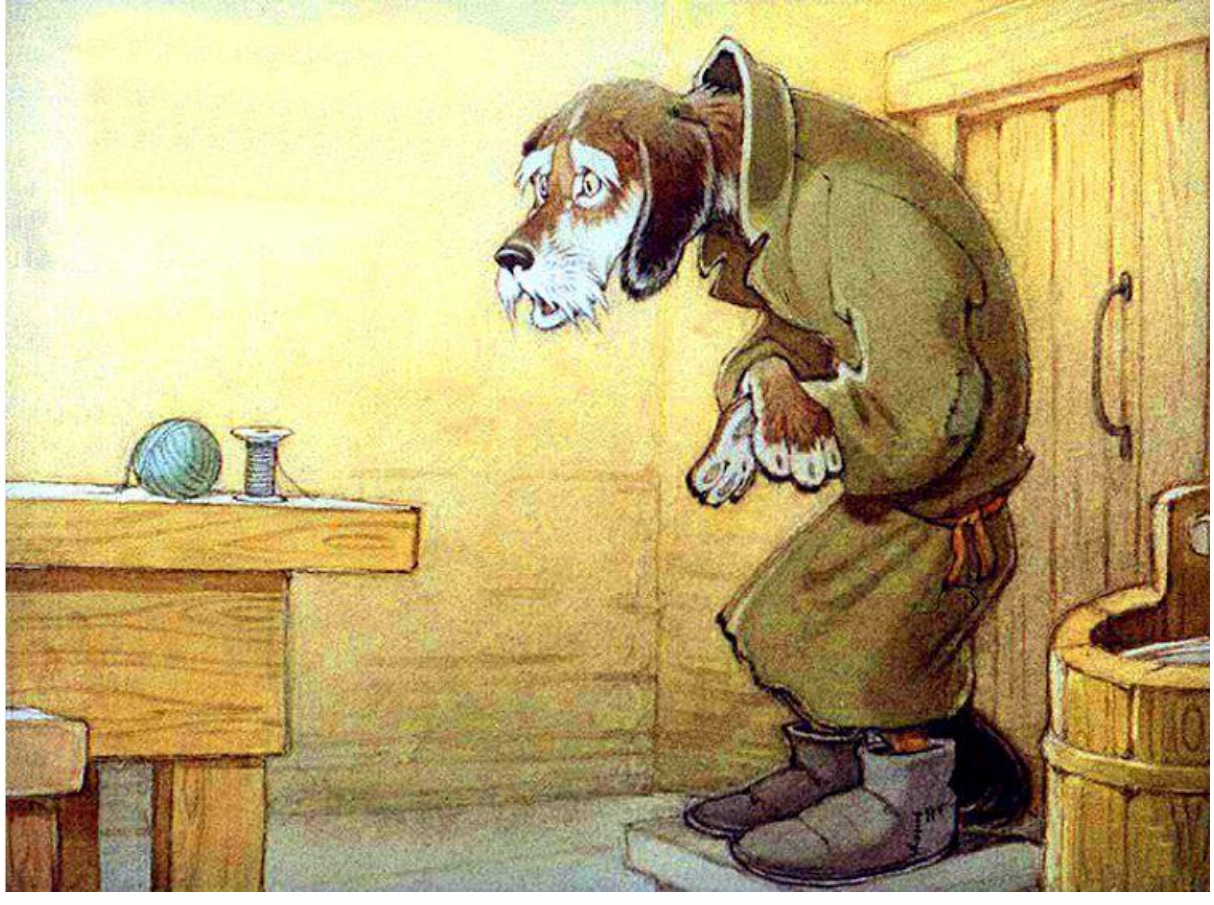

फिर शुक्रवार को, बिल्ली से भी पहले,
श्रीमान कुत्ते, नंगे सिर,
गंभीर दिखते हुए और जल्दबाजी में कदम उठाते हुए,
बिल्ली के दरवाज़े के सामने जाकर खड़े हो गए.

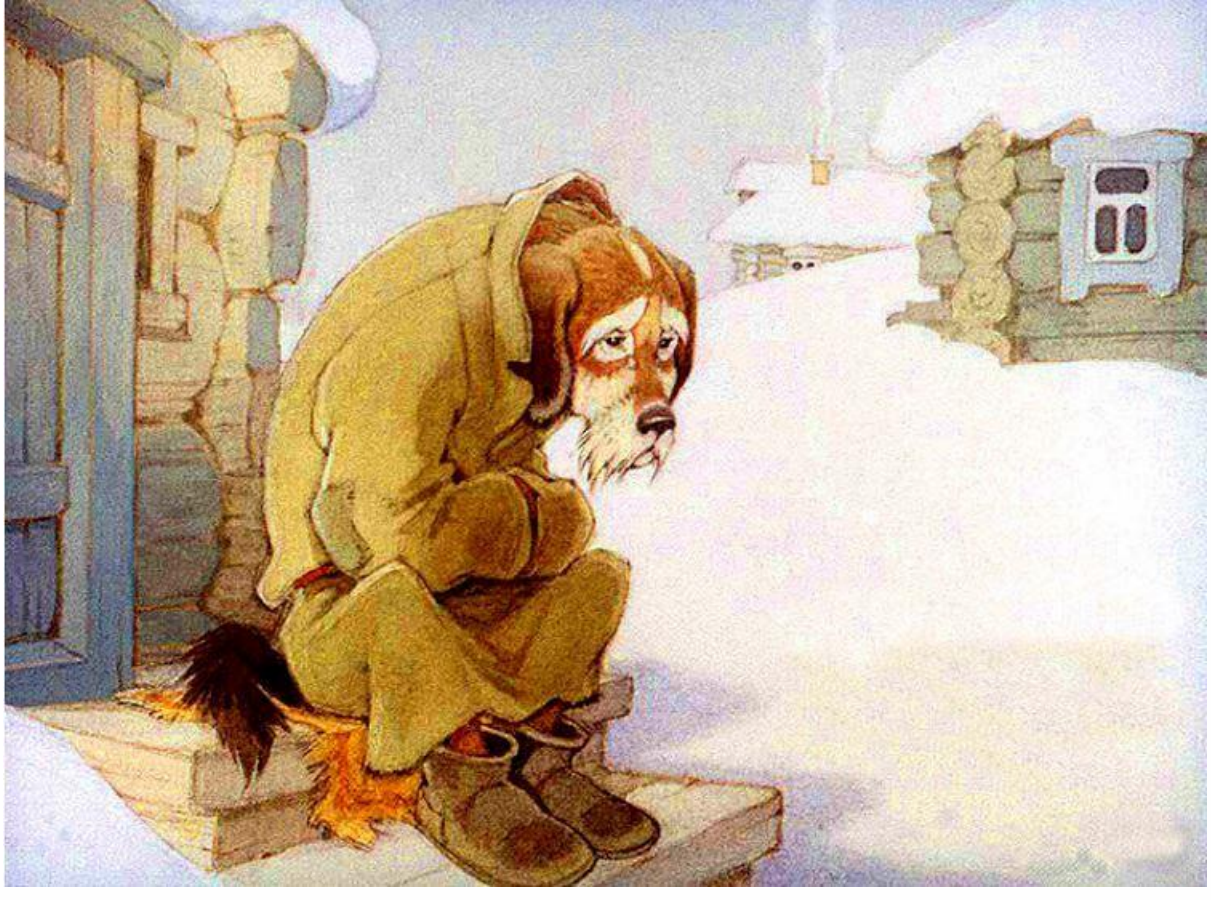

"कारीगर कहां हैं? मेरी टोपी कहां है?"

"वो जल्द ही आता होगा, थोड़ा इंतजार करो."

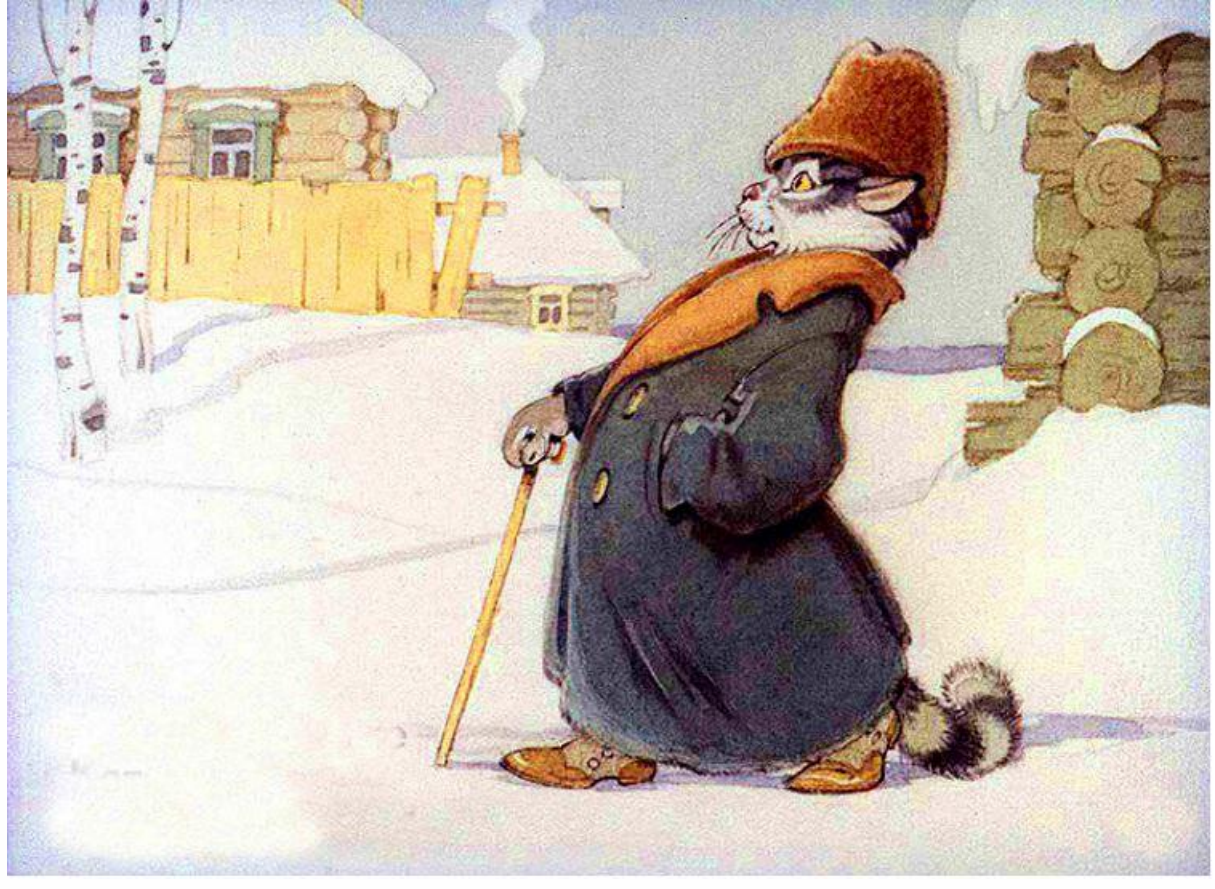

फिर बिल्ली फर का कोट पहने हुए वहां पहुंची.

उसने कुत्ते को और उसकी मूंछों को देखा
फिर वो मन-ही-मन वो कुछ बुदबुदाई
और फिर वो अपने ग्राहक पर दहाड़ी, चिल्लाई:
"क्या तुम ठंड से इतने पीड़ित हो, अधीर साथी,

क्या तुम मुझे सांस तक नहीं लेने दोगे? तुम्हें पता है,
टोपी सिलना कोई आसान काम नहीं है: मैंने अभी-अभी
फर को सिलने के लिए उस पर पानी छिड़का है!"

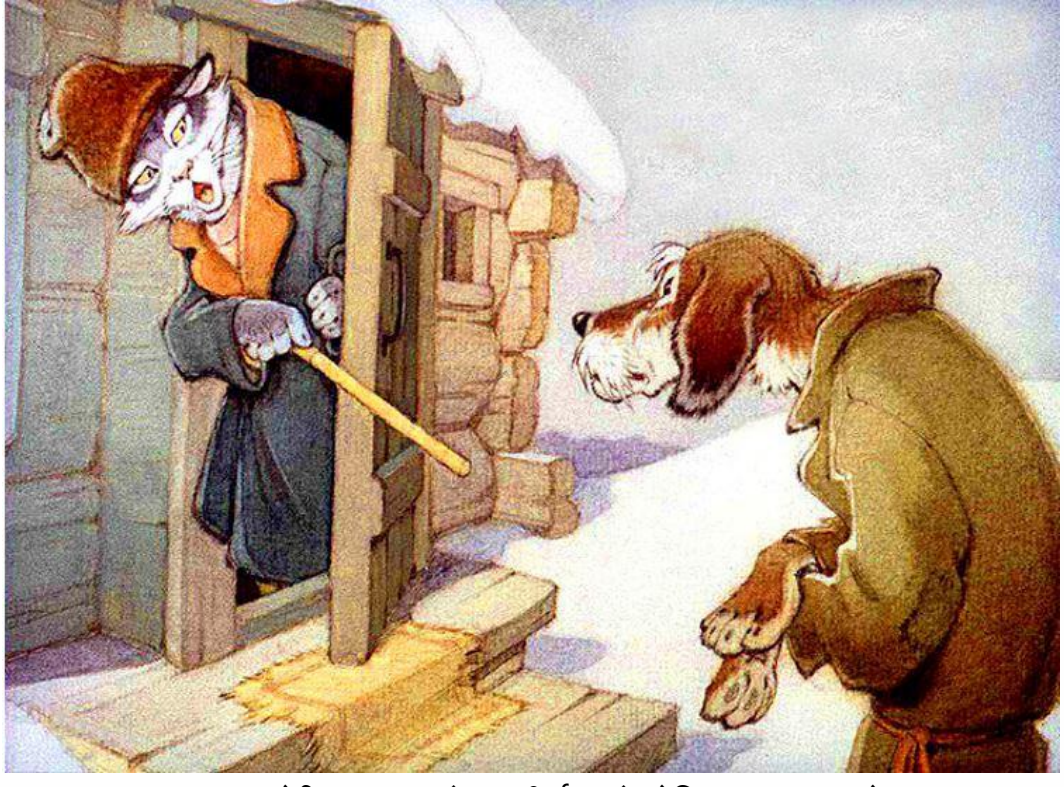

“अच्छा, मेरी आत्मा को आशीर्वाद दो, लेकिन यह बताओ;
तुम मुझ पर इतना गुस्सा क्यों हो रही हो?
मैं तुम्हें टोपी जल्दी से सिलने के लिए पैसे दूंगा,
यदि तुम आज नहीं सिल सकती, तो मैं कल फिर से आऊंगा!
देखो, तुमने वादा किया था, और उसे निभाया नहीं,
अब उल्टे तुम अपनी तेज़ आवाज में मुझ पर चीख-चिल्ला रही हो!
तुम अब तक बहुत बड़बड़-बड़बड़ कर चुकी हो,
यह बताओ मुझे यहां पर और कितनी बार आना पड़ेगा?”

इस प्रकार कुत्ता गुस्से में चिल्लाया
और फिर वो वहां से चला गया.
उसका सिर अभी भी नंगा था.

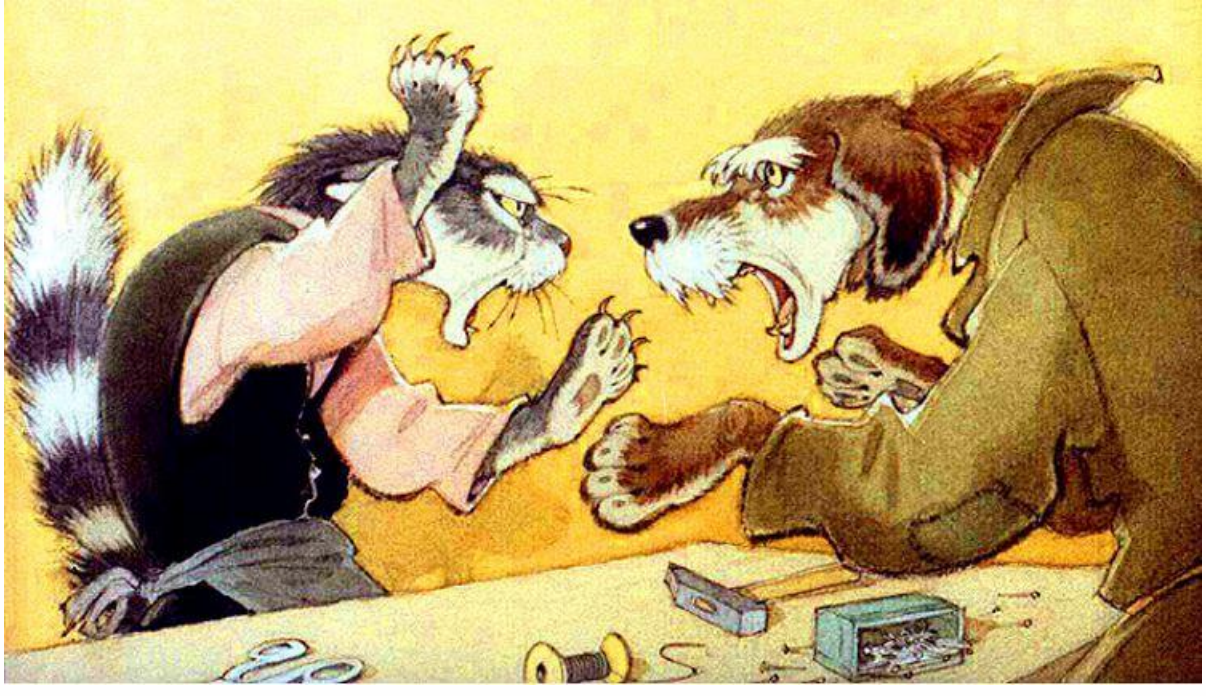

जब वो दोबारा पहुंचा तो भी उसकी टोपी तैयार नहीं हुई थी.
इस बार उन्होंने एक-दूसरे को गालियां दीं:
उन्होंने अपमानजनक और बेहूदा शब्दों का इस्तेमाल किया,
जैसे 'चोर बिल्ली' और 'गंजे सिर वाला कुत्ता' आदि.

.

उन्होंने एक-दूसरे के माता-पिता को भी कोसा

और भी बहुत कुछ किया.

और उसके बाद में मामला जज के सामने पहुंचा.

जब तक कुत्ते ने दुकान के तमाम चक्कर लगाए,
तब तक बिल्ली का दिवालिया पिट चुका था,
फिर एक रात, बिल्ली ने भागने का फैसला किया,
और फिर वो आंखों से ओझल हो गई..!

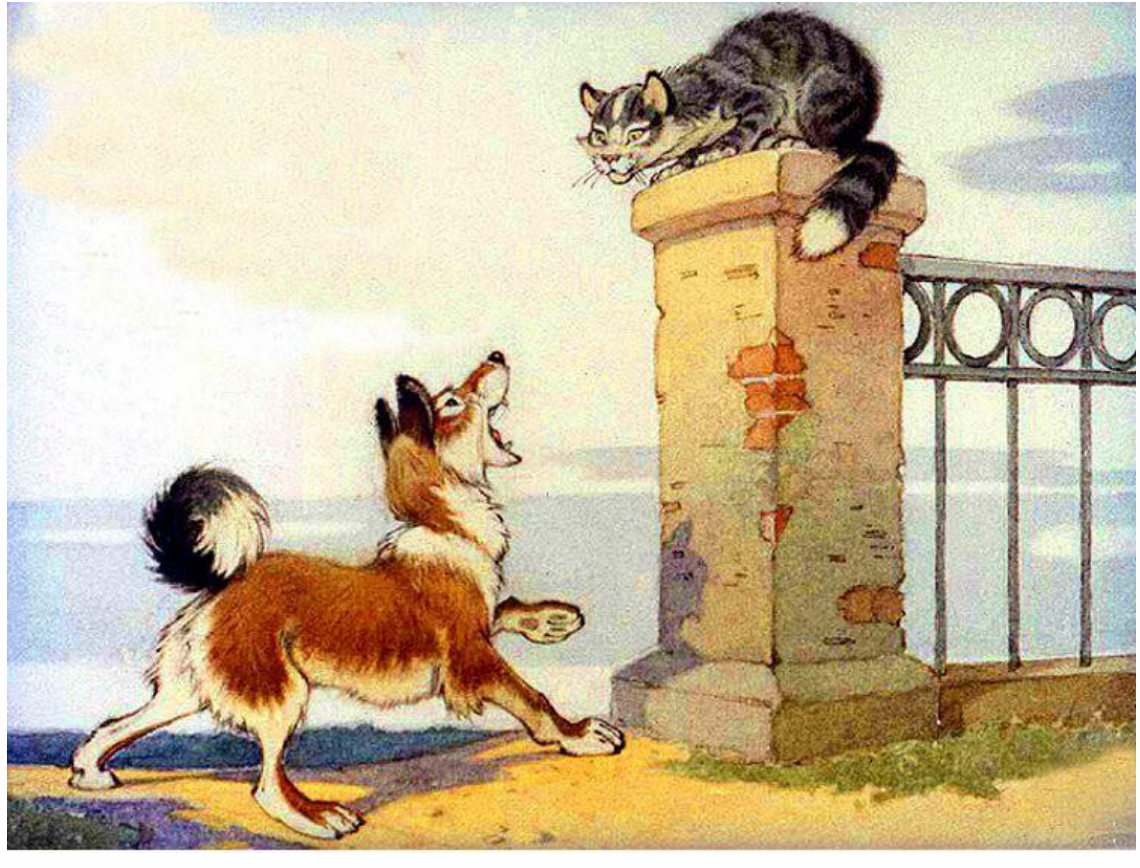

लेकिन तब से लेकर आज तक,
कुत्ता अपना दावा नहीं भूला है,
और वो घटना उसे आज भी याद है.
जब भी उसका किसी बिल्ली से सामना होता है,
वो उछलता है और उसका पीछा करता है
और उससे अपना फर वापस मांगता है.

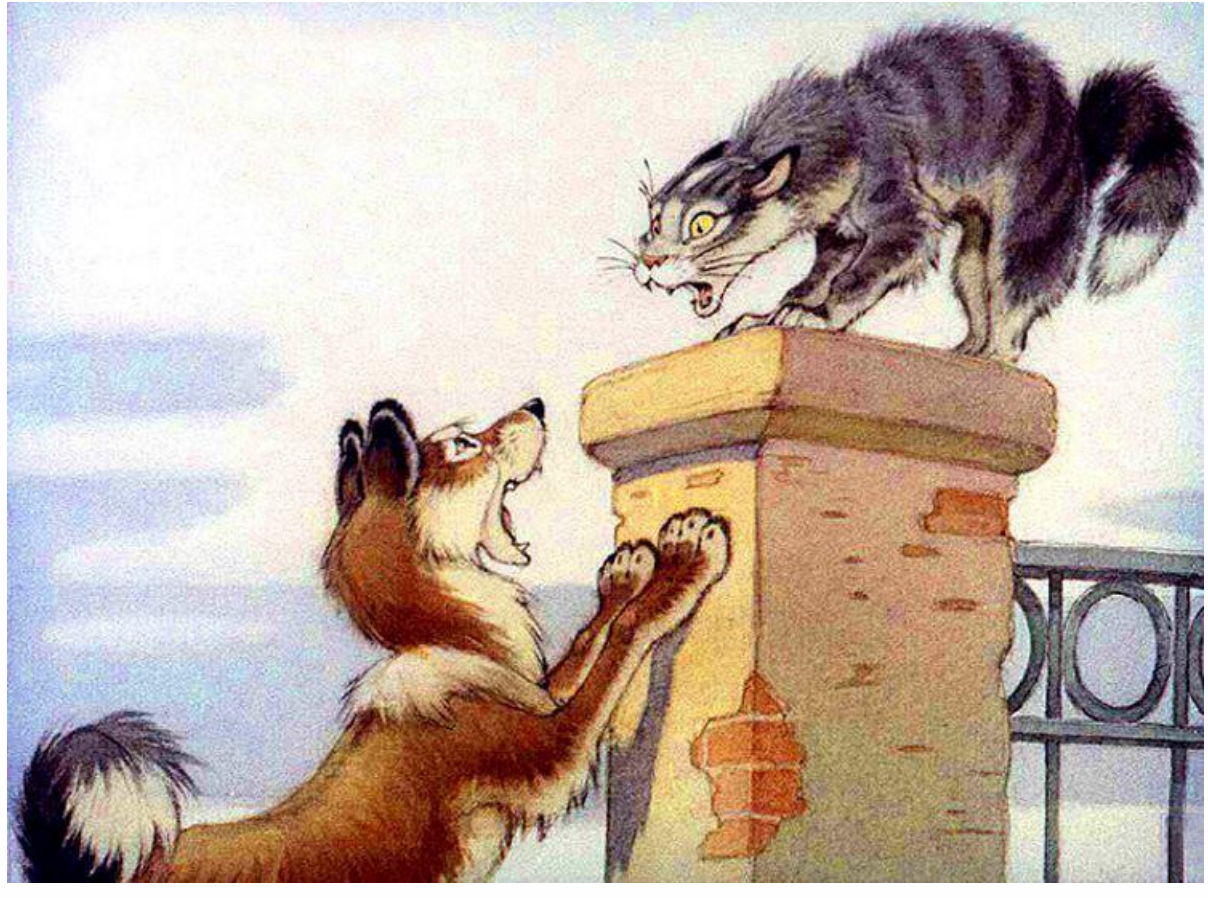

जबकि बदमाश बिल्ली अचानक
गुस्से में गोल-गोल घूमती है
वो कुत्ते पर थूकती है, मानो वो कह रही हो:
"मैंने अभी-अभी सिलने के लिए फर पर पानी छिड़का है!"